This question paper contains 8 printed pages]

Your Roll No. .....

4694

C

B.A. (Programme)/III

SANSKRIT DISCIPLINE Paper III

(Vyakarana, Upanishad, Vastuvidya, Jyotish and Ayurved)

(Admissions of 2004-2006 and onwards in respect of

Students of Regular Colleges NCWEB)

Time : 3 *Hours* *Maximum Marks* : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :— (*i*) Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

(*ii*) The maximum marks printed on the question paper are applicable for the Students of the Regular Colleges (Cat. 'A'). These marks will, however, be scaled up proportionately in respect of the students of NCWEB at the time of posting of awards for compilation of result.

P.T.O.

टिप्पणी :—(*i*) अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिंदी या अंग्रेज़ी किसी **एक** भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

(*ii*) प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे ।

1. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** के उच्चारण स्थान लिखिए:

Write the places (organs) of articulation of any *three* of the following :

इ, ल्, त्, प्, ह् ।

अथवा

(Or)

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए :

Write the letters of any *two* of the following Pratyaharas :

अच्, यण्, एङ्, शल् । 2

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की परिभाषा दीजिए :

Define any *two* of the following :

संयोग, सवर्ण, संहिता, पद, गुण । 2

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

Explain any *three* of the following Sūtras :

मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः, तस्मिन्निति निर्दिष्टे पूर्वस्य, अनचि च, यथासंख्यमनुदेशः समानाम्, अदसो मात् । 3

(घ) प्रमुख सूत्रों को उद्धृत करते हुए निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** में सन्धि कीजिए :

Join Sandhis in any *three* of the following quoting important Sūtras :

हरे + ए, सुधी + उपास्यः, हरी + एतौ, होतृ + ऋकारः, कृष्ण + एकत्वम्, उप + इन्द्रः । 6

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए :

Explain any *three* of the following Mantras :

(*i*) केनेषितं पतति प्रेषितं मनः, केन प्राणः प्रथमः प्रैति युक्तः।

कनेषितां वाचमिमां वदन्ति चक्षुः श्रात्रं क उ देवो युनक्ति ॥

(*ii*) प्रतिबोधविदितं मतममृतत्वं हि विन्दते ।

आत्मना विन्दतेवीर्यं विद्यया विन्दतेऽमृतम् ॥

(*iii*) स तस्मिन्नेवाकाशे स्त्रियमाजगाम बहु शोभमानाम् उमां हैमवती तां होवाच किमेतद्यक्षमिति ।

(*iv*) इह चेदवेदीथ सत्यमस्ति

न चेदिहावेदीन्महती विनष्टिः ।

भूतेषु भूतेष, विचित्य धीराः

प्रेत्यास्माल्लोकादमृता भवन्ति ॥

(*v*) यन्मनसा न मनुते येनाहुर्मनो मतम् ।

तदेव ब्रह्म त्वं विद्धि नेदं यदिदमुपासते ॥ 6

(ख) केनोपनिषद् में वर्णित उमा हैमवती आख्यान का महत्व प्रतिपादित कीजिए :

Discuss the importance of Uma Haimvati Akhyana on the basis of Kenopanisad.

अथवा

(*Or*)

क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि "ब्रह्मविद्या परम सत्य पर आधारित है" (सत्यमायतनम्)– केनोपनिषद् को आधार मानकर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये ।

Do you agree "Truth is like the dwelling place for that Vidya (Satya mayatanam) ? Write short note on the basis of Kenopanisad. 6

3. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों का अनुवाद कीजिए :

Translate any *two* of the following verses :

(*i*) सुखमिच्छन् ब्रह्माणं यत्नाद् रक्षेद् गृही गृहान्तःस्थम्।
उच्छिष्टाद्युपघाताद् गृहपतिरुपतप्यते तस्मिन् ॥

(*ii*) द्वारं द्वारस्योपरि यत्तन्न शिवाय सङ्करं पच्च ।
आव्यात्तं क्षुद्मयदं कुब्जं कुलनाशनं भवति ।

(*iii*) गृहमध्ये हस्तमितं खात्वा परिपूरितं पुनः श्वभ्रम् ॥
पद्यूनमनिष्टं तत्समे समं धन्यमधिकं यत् ॥

(*iv*) ऐशान्या देवगृहं महानसं चापि कार्यमाग्नेप्याम् ।
नैर्ऋत्यां भाण्डोपस्करोऽर्थधान्यानि मारुत्याम् ॥ 6

(ख) निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

Write short notes on any *two* of the following :

नन्द्यावर्त वास्तु, गृहारम्भविधि, प्रशस्तभूमि, द्वारनिर्माण 8

4. (क) निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** श्लोकों का अनुवाद कीजिए :

Translate any *two* of the following verses :

(*i*) वेदस्य निर्मलं चक्षुर्ज्योतिः शास्त्रमकल्मषम् ।

विनैतदखिलं श्रौतं स्मार्तं कर्म न सिध्यति ॥

(*ii*) व्रतारम्भकाले तथा चोपनीते

विवाहे प्रयाणे च पट्टाभिषेके ।

तथा वेदविद्या च दीक्षावदाने

शुभो द्वादशेन्दुश्च सीमान्तकाले ॥

(*iii*) स्वर्गे भद्रा शुभं कुर्यात् पाताले धनागमम् ।

मृत्युलोके यदा भद्रा सर्वकार्यविनाशिनी ॥

(*iv*) यस्मिन् चान्द्रे न संक्रान्तिः सोऽधिमासो निगद्यते ।

तत्र मंगलकार्याणि नैव कुर्यात् कदाचन ॥ 6

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5

Write short notes on any *two* of the following :

राशिनामानि, नक्षत्रनामानि, भगण, पञ्चक ।

5. (क) किन्हीं **दो** श्लोकों का अनुवाद कीजिए :

Translate any *two* of the following verses :

(*i*) शीतेषु संवृतं सेव्यं यानं शयनमासन् ।

प्रावाराजिन--कौषेय-प्रवेणी-कुथकास्तृतम् ॥

(*ii*) गोरसान् इक्षुविकृतीर्वसां तैलं नवौदनम्।

हेमन्तेऽभ्यस्यतस्तोयमुष्णं चायुर्न हीयते ॥

(*iii*) भूवाष्पान्मेघनिस्यन्दात् पाकादम्लाज्जलस्य च ।

वर्षास्वग्निबले क्षीणे कुप्यन्ति पवनादयः ॥

(*iv*) पिबेत् क्षौद्रान्वितं चाल्पं माध्वीकारिष्टमम्बु वा ।

माहेन्द्रं तप्तशीतं वा कौपं सारसमेव वां ॥ 6

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any *three* of the following :

संवत्सर, उत्तरायण, प्रमिताहार, हेमोटक, अवश्याय

अथवा

(Or)

हेमन्त ऋतुचर्या पर टिप्पणी कीजिए । 9

Write a short note on the regimen of winter season. 9

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

Write short notes on any *three* of the following :

माधवनिदान, नागार्जुन, वाग्भट, चरकसंहिता ।

अथवा

(Or)

आयुर्वेद के उद्‌भव एवं विकास का संक्षिप्त विवरण दीजिए । 10

Write in brief the origin and growth of आयुर्वेद.